TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

जयंती विशेष

30 अक्टूबर 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

मेरी सफलता इस बात पर निर्भर नहीं करती कि कोई मेरे बारे में क्या सोचता है मेरी सफलता वही होगी जिसे मैं अपने काम से पाऊँगा।

होमी जहाँगीर भाभा

(वैज्ञानिक)

जन्म: 30 अक्टूबर 1909 मृत्यु: 24 जनवरी 1966

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

30 अक्टूबर

1. **होमी जहाँगीर भाभा का जन्म–** 'भारतीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के जनक' और 'आर्किटेकट ऑफ इंडियन एटॉमिक एनर्जी प्रोग्राम' के नाम से विख्यात भारतीय वैज्ञानिक होमी जहाँगीर भाभा का जन्म 30 अक्टूबर, 1909 ई. को मुम्बई में एक पारसी परिवार में हुआ था। भारत को परमाणु शक्ति बनाने के प्रथम कदम के रूप में उन्होंने वर्ष 1945 में 'टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च की स्थापना की थी। वर्ष 1947 में भारत सरकार द्वारा गठित परमाणु ऊर्जा आयोग के प्रथम अध्यक्ष नियुक्त हुए।

w e d n e s d a y

/teachersofbihar

Madhu priya

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

30 अक्टूबर

मधु प्रिया

होमी जहांगीर भाभा का जन्म 30 अक्टूबर

होमी जहांगीर भाभा का जन्म 30 अक्टूबर 1909 को एक प्रमुख धनी पारसी परिवार में हुआ था, जिसमें एक प्रसिद्ध वकील जहांगीर होर्मूसजी भाभा और सर दिनशॉ मानेकजी पेटिट की पोती मेहरबाई फ्रामजी पांडे शामिल थे। उनके दादा होर्मूसजी भाभा, जो मैसूर में शिक्षा महानिरीक्षक थे, के नाम पर उनका नाम होर्मूसजी रखा गया था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई मुंबई के कैथेड्रल और जॉन कॉनन स्कूल में प्राप्त की। भाभा के पालन-पोषण से उनमें संगीत, चित्रकला और बागवानी के प्रति रुचि पैदा हुई। वह अक्सर अपनी मौसी मेहरबाई टाटा से मिलने जाते थे, जिनके पास पश्चिमी शास्त्रीय संगीत संग्रह था, जिसमें बीथोवेन , मोजार्ट , हेडन और शुबर्ट की कृतियाँ शामिल थीं। अपने भाई और चचेरे भाई के साथ, ग्रामोफोन पर इस संग्रह के रिकॉर्ड सुनना उनके लिए एक अनुष्ठान था। भाभा को विशेष वायलिन और पियानो की शिक्षा भी मिली। स्केचिंग और पेंटिंग में उनके शिक्षक कलाकार जहांगीर लालकला थे। सत्रह साल की उम्र में, भाभा के स्व-चित्र ने प्रतिष्ठित बॉम्बे आर्ट सोसाइटी की प्रदर्शनी में दूसरा स्थान जीता। विदेशी पौधों और क्रॉस-ब्रेड बोगनविलिया और गुलाब के छत के बगीचे की देखभाल करने वाले, होर्मसजी पेड़ों, पौधों और फूलों के विशेषज्ञ थे। उन्होंने घर की बड़ी निजी लाइब्रेरी में बागवानी पर किताबें रखीं। भाभा ने विज्ञान में शीघ्रता के लक्षण दर्शाये। एक बच्चे के रूप में, वह मेकानो सेट के साथ खेलने में घंटों बिताते थे , और सेट के साथ आने वाली पुस्तिकाओं का अनुसरण करने के बजाय उन्हें अपने स्वयं के मॉडल बनाने का शौक था। पंद्रह साल की उम्र तक उन्होंने सामान्य सापेक्षता का अध्ययन कर लिया था। भाभा अक्सर अपने चाचा दोराबजी टाटा , जो टाटा समूह के अध्यक्ष थे और उस समय भारत के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक थे, के घर जाते थे। वहां, उन्हें दोराबजी की महात्मा गांधी और मोतीलाल नेहरू जैसे स्वतंत्रता आंदोलन के राष्ट्रीय नेताओं के साथ हुई बातचीत के साथ-साथ स्टील, भारी रसायन और पनबिजली जैसे उद्योगों में व्यापारिक सौदों की भी जानकारी थी, जिसमें टाटा समूह ने निवेश किया था। जॉन कॉकक्रॉफ्ट ने टिप्पणी की कि इन वार्तालापों को सुनकर एक वैज्ञानिक आयोजक के रूप में भाभा के करियर को प्रेरणा मिलनी चाहिए थी। 24 जनवरी, 1966 को भाभा वियना जाने के लिए एयर इंडिया की फ़्लाइट 101 पर सवार हुए थे। उस ज़माने में बंबई से वियना की सीधी फ़्लाइट नहीं हुआ करती थी और लोगों को जिनेवा में फ़्लाइट बदल कर वियना जाना पड़ता था। भाभा ने एक दिन पहले जिनेवा जाने वाली फ़्लाइट की बुकिंग कराई थी लेकिन किन्हीं कारणों से उन्होंने अपनी यात्रा एक दिन के लिए स्थगित कर दी थी।भाभा की मृत्यु तब हुई जब 24 जनवरी 1966 को एयर इंडिया की उड़ान 101 मोंट ब्लांक के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिनेवा हवाई अड्डे और पायलट के बीच पहाड़ के पास विमान की स्थिति के बारे में त गलतफहमी दुर्घटना का आधिकारिक कारण है। प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी ने उनकी मृत्यु पर शोक समारोह में कहा था।

जयंती

विशेष 30 अक्टूबर

राकेश कुमार

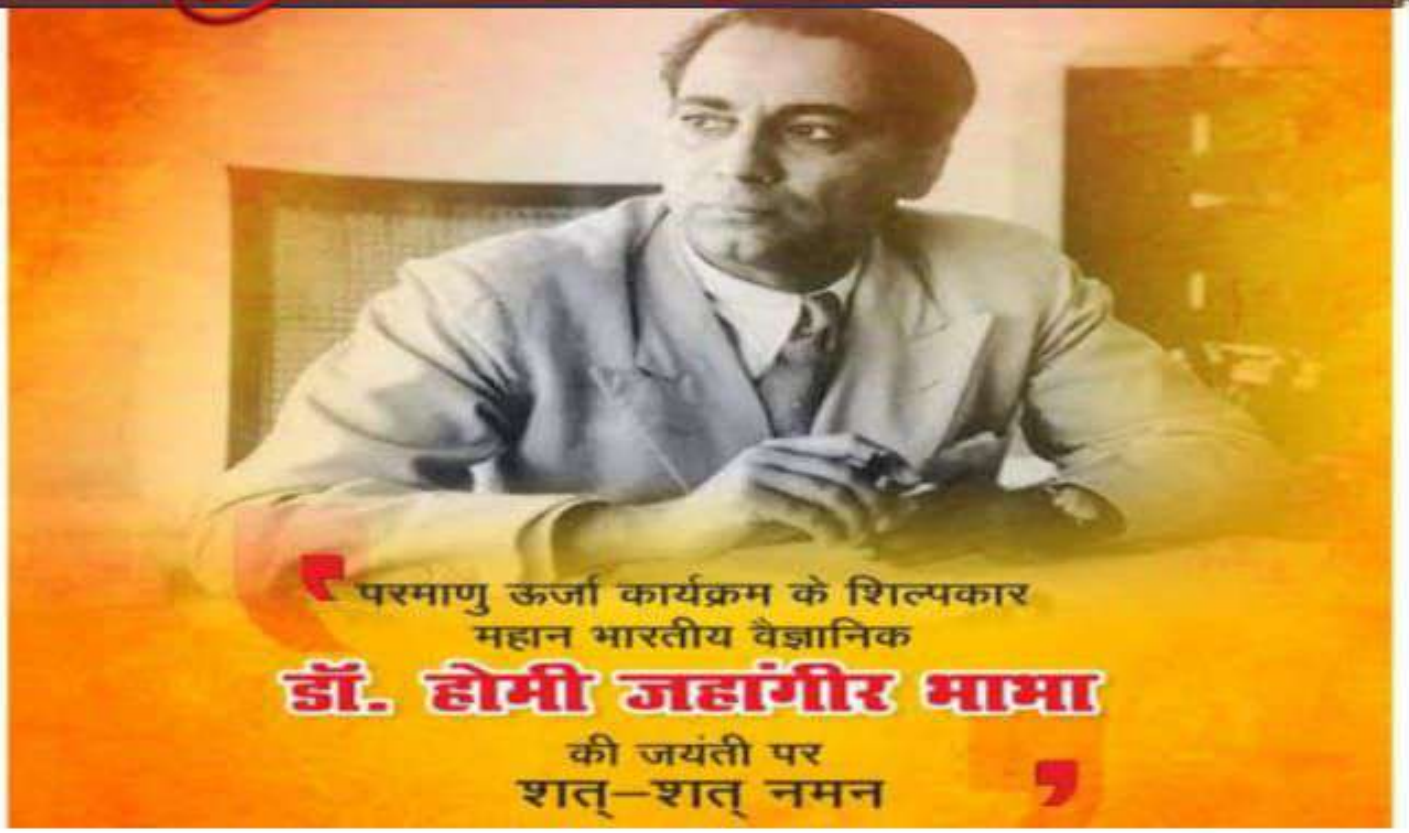

होमी जहांगीर भाभा (30 अक्टूबर, 1909 - 24 जनवरी, 1966) भारत के एक प्रमुख वैज्ञानिक और स्वप्नदृष्टा थे जिन्होंने भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की कल्पना की थी। उन्होने मुट्ठी भर वैज्ञानिकों की सहायता से मार्च 1944 में नाभिकीय उर्जा पर अनुसन्धान आरम्भ किया। उन्होंने नाभिकीय विज्ञान में तब कार्य आरम्भ किया जब अविछिन्न शृंखला अभिक्रिया का ज्ञान नहीं के बराबर था और नाभिकीय उर्जा से विद्युत उत्पादन की कल्पना को कोई मानने को तैयार नहीं था। उन्हें 'आर्किटेक्ट ऑफ इंडियन एटॉमिक एनर्जी प्रोग्राम' भी कहा जाता है।

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 30.10.2024

कथात्मक पाठ

कथात्मक पाठ एक प्रकार का पाठ है जो कहानी कहता है या घटनाओं के अनुक्रम का वर्णन करता है। कथात्मक पाठ का उद्देश्य घटनाओं की एक श्रृंखला को सुसंगत और आकर्षक तरीके से प्रस्तुत करके पाठक का मनोरंजन करना या उसे सूचित करना है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

पूरे एशिया में सबसे पहली इलेक्ट्रिक स्ट्रीट लाइट 5 अगस्त 1905 को भारत के बेंगलुरु शहर में लगाई गई थी।

स्रोत:
प्रभा साही

TOB
खेल कॉर्नर

राकेश कुमार

बास्केटबॉल

बास्केटबॉल

इस खेल का लक्ष्य विरोधियों की बास्केट में ऊपर से गेंद आर-पार डालना और साथ ही विरोधियों को अपनी बास्केट में वैसा ही करने से रोकते हुए अर्जित करना। इस तरीके से अंक अर्जित करने का प्रयास शॉट कहलाता है।

ओलंपिक में बास्केटबॉल

बर्लिन 1936 ओलंपिक गेम्स में बास्केटबॉल एक आधिकारिक ओलंपिक खेल बन गया। 40 साल बाद 1976 के मॉन्ट्रियल गेम्स में पहली बार महिला बास्केटबॉल को ओलंपिक इवेंट का हिस्सा बनाया गया था।

बास्केटबॉल के नियम

- खेलों को 10 या 12 मिनट के चार क्वॉर्टर्स में खेला जाता है। एक टीम में 12 खिलाड़ियों का रोस्टर होता है और बास्केटबॉल कोर्ट पर एक समय पर एक टीम के 5 खिलाड़ी मौजूद होते हैं।
- बॉल को शॉट द्वारा, खिलाड़ियों के बीच पास करके, फेंक कर, टैप करके, लुढ़का कर, या ड्रिब्लिंग द्वारा यानी दौड़ाते हुए बॉल को उछालना बास्केट की ओर बढ़ाया जा सकता है।
- जिस खिलाड़ी के पास गेंद होती है वो बिना ड्रिबलिंग किए या फिर पास किए अगर गेंद दो कदम से ज्यादा लेकर जाता है तो उसे ट्रैवलिंग फाउल करार दिया जाता है।

जयंती पर नमन

डॉ होमी जहांगीर भाभा

30 अक्तूबर 1909 - 24 जनवरी 1966

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

जयंती पर नमन

30 अक्टूबर

सुकुमार राय

30 अक्टूबर 1887 - 10 सितंबर 1923

Madhu Priya

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
30 अक्टूबर
खुशियों एवं प्रकाश के महापर्व
"छोटी दिवाली"
की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं |
Punita Kumari
www.teachersofbihar.org